

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.एस.के.एफ.-001 : संस्कृत में आधार पाठ्यक्रम

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

नोट : प्रश्नपत्र में कुल 10 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।

1. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं चार के शुद्ध रूप

लिखिए— 5

(i) आषुतोश

(ii) क्षुबित

(iii) कथाबाचन

(iv) वाल्मीकी

(v) सप्तरषि

(vi) आश्विनी

(ख) कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से किसी एक को चुनते हुए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(i) देवदत्तः खादति। (फलम्, फलाय)

(ii) प्रियंकायाः गृहं तीरे अस्ति।

(नदी, नद्याः)

(iii) किं वर्तते। (नामनी, नाम्नि)

(iv) सततं स्मरणीयम्। (मनसा, मनसि)

2. (क) निम्नलिखित शब्दों के निर्दिष्ट रूप लिखिए : 5

(i) सुधी (पुल्लिङ्ग), तृतीय विभक्ति, बहुवचन

(ii) मति (स्त्रीलिंग), सप्तमी विभक्ति, द्विवचन

(iii) अस्मद् (पुल्लिङ्ग), चतुर्थी विभक्ति,
एकवचन

(iv) इदम् (नपुंसकलिङ्ग), पञ्चमी विभक्ति,
बहुवचन

(ख) निम्नलिखित धातुरूपों में धातु, लकार, पुरुष एवं वचन का निर्देश कीजिए :

(i) याचामहे

(ii) क्रीडिष्यथ

(iii) चलथ

(iv) अभूः

3. निम्नलिखित पदों में से किन्हीं दो के धातु और प्रत्यय को अलग करके दिखाइए : 5

(i) कथयितुम्

(ii) धारकः

(iii) दोहनम्

(iv) संगृह्य

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दा के कर्तृवाच्य के प्रयोगों को कर्मवाच्य में प्रयोग कीजिए : 5

(i) रमा पुस्तकं पठति।

(ii) विद्यार्थिनः विज्ञानप्रयोगशालां प्रयोगं कुर्वन्ति।

(iii) राधिका नृत्यं करोति।

(iv) भक्ताः श्रीराममन्दिरम् गच्छन्ति।

5. (क) निम्नलिखित पदों में सन्धि-विच्छेद कीजिए : 5

(i) स्वराघात

(ii) लक्ष्मीच्छाया

(iii) पितुरागमनम्

(iv) गजेन्द्रः

(iv) विद्यालयः

(ख) निम्नलिखित वर्णों के उच्चारण स्थान लिखिए :

(i) घ

(ii) र

(iii) ऐ

(iv) व

(v) ह

6. निम्नलिखित में से किसी एक पर लगभग 100-150 शब्दों में लघु निबन्ध लिखिए : 5

(i) कुमारसम्भवम्

(ii) महाकवि भास

(iii) कथा साहित्य

(iv) ऋतुसात्य

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 300 शब्दों में संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिए : 5

(i) स्वदेशो पूज्यते राजन् विद्वान् सर्वत्र पूज्यते

(ii) रम्या रामायणी कथा

(iii) नवा शिक्षानीति

(iv) अन्तर्जालस्य महत्त्वम्

8. निम्नलिखित पद्य को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5

विपदि धैर्यमथाभ्युदये क्षमा सदसि वाक्पटुता युधि
विक्रमः।

यशसि चाभिरुचिव्यसनं श्रुतौ प्रकृतिसिद्धमिंद हि
महात्मनाम्॥

- (i) धैर्य की परीक्षा महात्मा कब करते हैं ?
- (ii) सभा में क्या काम आता है ?
- (iii) पद्य में महात्माओं का व्यसन कौन-सा है ?
- (iv) उन्नति में क्या आवश्यक है ?
- (v) वाक्पटुता का अर्थ क्या है ?
9. निम्नलिखित में से किसी एक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 5

(i) विश्वरूपत्वमिव ग्रहीतुमाश्रिता नारायणमूर्तिम्।

अप्रत्यय बहुला च दिवसान्तकमलमिव

समुपचितमूलदण्डकोशमण्डलमिव मुञ्चति भूभुजम्।

(ii) स जातो येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम्।

परिवर्तिनि संसारे मृतः को वा न् जायते॥

(iii) लोभशोकभयक्रोधमानवेगान् निधारयेत्।

नैर्लज्ज्येष्वातिरामाणामभिध्यायाँश्य बुद्धिमान्॥

10. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' पर उदाहरण देते हुए
15 वाक्य लिखिए। 5

अथवा

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखकर संस्कृति में
समाचार लिखिए-

घटना-स्थानीय आवास परिसर के दरवाजे पर ट्रफिक
जाम की समस्या को लेकर

रेजिडन्ट वेलफेयर सोसाइटियों तथा विद्यार्थियों ने प्रदर्शन
किया।

क्या हुआ-जनता का सम्पूर्ण सहयोग मिला और लोगों ने
नेताओं की भर्त्सना की।

कब हुआ-फरवरी मास में।

स्थान-दिल्ली और एन. सी. आर.